भारत सरकार

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं॰ 3382

दिनांक 26.03.2018 को उत्तर दिए जाने के लिए

तेलंगाना में फ्लोराइड से प्रभावित निवास स्थान

3382. श्री देवेंदर गौड टी॰:

क्या पेयजल और स्वच्छता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली के अनुसार 2012–13 में तेलंगाना के निजामाबाद एवं नलगोंडा जिले में 89 ग्रामीण निवास स्थानों की फ्लोराइड से प्रभावित होने के रूप में पहचान की गई है;
(ख) यदि हां, तो निवास स्थानों का ब्यौरा क्या है तथा मार्च, 2018 के अनुसार इनकी स्थिति क्या है;
(ग) मंत्रालय द्वारा उन्हें फ्लोराइड–मुक्त बनाने हेतु क्या प्रयास किया गया है; और
(घ) उक्त समस्या से निपटने हेतु राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई तकनीकी एवं वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

(श्री एस. एस. अहलूवालिया)

(क) और (ख) अविभाजित आंध्र प्रदेश राज्य द्वारा इस मंत्रलाय की एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईएमआईएस) पर दी गई सूचना के अनुसार 01 अप्रैल, 2013 की स्थिति के अनुसार तेलंगाना क्षेत्र के निजामाबद जिले में 89 बसावटें और नालगोंडा जिले में 142 बसावटें ग्रामीण पेयजल स्रोतो में अत्याधिक फ्लोराइड से प्रभावित हैं। तेलंगाना सरकार द्वारा मंत्रालय की आईएमआईएस पर दी गई सूचना के अनुसार 01 अप्रैल, 2013 तक निज़ामाबाद और नालगोंडा जिले में फ्लोराइड प्रभावित बसावटों की ब्लॉक वार संख्या अनुलग्नक में दी गई है।

जैसा कि तेलंगाना सरकार ने इस मंत्रालय की एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईएमआईएस) पर सूचित किया है कि 21 मार्च, 2018 की स्थिति के अनुसार निज़ामाबाद जिले में 28 बसावटें और नालगोंडा जिले में 39 बसावटें फ्लोराइड से प्रभावित हैं।

(ग) और (घ) ग्रामीण पेयजल आपूर्ति राज्य का विषय है। यह मंत्रालय, ग्रामीण आबादी तक सुरक्षित पेयजल पहुँचाने के कवरेज में सुधार लाने के लिए, केंद्र प्रायोजित राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम (एनआरडीडब्ल्यूपी) के जरिए राज्यों को तकनीकी एवं वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों को पूरा करता है। राज्य सरकारें ही ग्रामीण आबादी तक स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए स्कीमों की आयोजना, डिजाइनिंग, अनुमोदन, निष्पादन और प्रचालन व रख-रखाव करती हैं। एनआरडीडब्ल्यूपी के अंतर्गत राज्यों को प्रदत्त निधियों का उपयोग कवरेज के लिए तथा आर्सेनिक और फ्लोराइड प्रभावित बसावटों को प्राथमिकता देते हुए जल गुणवत्ता की समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है।

मार्च, 2016 के दौरान, नीति आयोग की सिफारिश पर, भारत सरकार ने तेलंगाना सरकार को फ्लोराइड प्रभावित बसावटों में सामुदायिक जल शुद्धिकरण संयंत्रों की स्थापना हेतु 94.58 करोड़ रुपए जारी किए थे। बाद में, राज्य के अनुरोध पर, इन निधियों को सतही जल आधारित नल जल आपूर्ति स्कीमों के लिए उपयोग करने की अनुमति दी गई थी।

लगभग 28,000 आर्सेनिक/फ्लोराइड प्रभावित बसावटों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एनआरडीडब्ल्यूपी के अंतर्गत दिनांक 22 मार्च, 2017 को राष्ट्रीय जल गुणवत्ता उप-मिशन आरंभ किया था। 21 मार्च, 2018 तक, 27 सतही जल आधारित नल जल आपूर्ति योजनाओं जो 966 फ्लोराइड प्रभावित बसावटों को कवर करती हैं, के जरिए सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए एनडब्ल्यूक्यूएसएम के अंतर्गत तेलंगाना राज्य को 687.60 करोड़ रूपए पहले ही जारी किए गए हैं। जिसमें से, 02 स्कीमें पूर्व के निज़ामाबाद जिले में है जिसमें 50 फ्लोराइड प्रभावित बसावटों को कवर करना शामिल है और 03 स्कीमें पूर्व में नालगोंडा जिले में हैं जिसमें 157 फ्लोराइड प्रभावित बसावटों को कवर करना शामिल है।

तेलंगाना राज्य में चालू 30 एनआरडीडब्ल्यूपी स्कीमों के अंतर्गत आने वाली 75 फ्लोराइड प्रभावित बसावटों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016-17 के दौरान राष्ट्रीय जल गुणवत्ता उप-मिशन के अंतर्गत 12.63 करोड़ रुपए की अतिरिक्त निधियां भी जारी की गई हैं। जिसमें से 05 स्कीमें पूर्व के नालगोंडा जिले में हैं जो 18 फ्लोराइड प्रभावित बसावटों को कवर करती हैं।

तेलंगाना सहित सभी राज्यों को डॉक्टर आर. ए. माशेलकर की अध्यक्षता में मंत्रालय द्वारा गठित उच्च स्तरीय तकनीकी समिति के माध्यम से जल पर विभिन्न तकनीकें उपलब्ध कराकर उन्हें तकनीकी सहायता दी जाती हैं। मंत्रालय द्वारा फरवरी, 2013 में पेयजल शुद्धिकरण प्रौद्योगिकियों पर एक पुस्तिका भी प्रकाशित की गई थी और तेलंगाना राज्य सहित सभी राज्यों में व्यापक रूप से उसे परिचालित किया गया था।

दिनांक 26.03.2018 को उत्तर दिए जाने हेतु राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3382 के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

तेलंगाना सरकार द्वारा इस मंत्रालय की एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली पर दी गई सूचना के अनुसार 01 अप्रैल, 2013 तक निज़ामाबाद और नालगोंडा जिले में फ्लोराइड प्रभावित बसावटों की ब्लॉकवार संख्या

क्र. सं.	ब्लॉक के नाम	01 अप्रैल,2013 तक फ्लोराइड प्रभावित बसावटों की संख्या
जिले का नाम : नालगोंडा		
1	अलायर	6
2	अटमाकुर	9
3	बोम्मालारामरम	1
4	चन्दमपेट	17
5	चिन्तापल्ली	12
6	चिव्वेमला	9
7	चौट्प्पल	2
8	देवराकोंडा	9
9	गरिडेपल्ले	3
10	गुंडलापल्ले	8
11	मोये	1
12	मुनुगोडे	1
13	नालगोंडा	2
14	नामपल्ले	3
15	नारायणपुर	5
16	नेरेडचेरला	2
17	नूथंकल	1
18	पापल्ली	8
19	पेनपाहाद	2
20	राजापेट	6
21	रमन्नापेटा	1
22	सलीगौराराम	1
23	सूर्यापेट	4
24	थिरूमालागिरी	3
25	त्रिपुराराम	2
26	तुरकापल्ले एम	6
27	वेमुलापल्ले	1
28	यारागिरीगुट्टा	17
कुल		**142**

जिले का नाम : निज़ामाबाद		
1	बांसवाड़ा	2
2	भीमगल	1
3	भीकनुर	2
4	बिचकुन्डा	1
5	बोधन	4
6	धरपल्ले	3
7	डिचपल्ले	2
8	डोमाकोन्डा	3
9	गांधारी	3
10	जकरनपल्ले	2
11	कामारेड्डी	5
12	काम्मरपल्ले	4
13	लिंगमपेट	3
14	मदनूर	1
15	मकलूर	9
16	मोरटाड	3
17	नवीपेट	1
18	निज़ामाबाद-ग्रामीण	17
19	निजामसागर	3
20	पिटलम	3
21	रांजल	4
22	टाडवई	3
23	वर्णी	3
24	येडापल्ले	3
25	येल्लारेड्डी	4
कुल		**89**